

२३/४/१५

APP ३५०, गीरसायन ३५०/५००००० अर्थात् सिद्धि
आता है। विस्तृत आदेशों के द्वारा प्रथम से
मिस्त्रबाय) आर्कर सुनाय) गन्ना व बी।।। सि. मिथ
गन्ना | पञ्जीवनी) केंद्राव सुभार देकर नगर से
कम - ही

(गीर गन्ना)
गिरा केंद्राव, अर्थात्